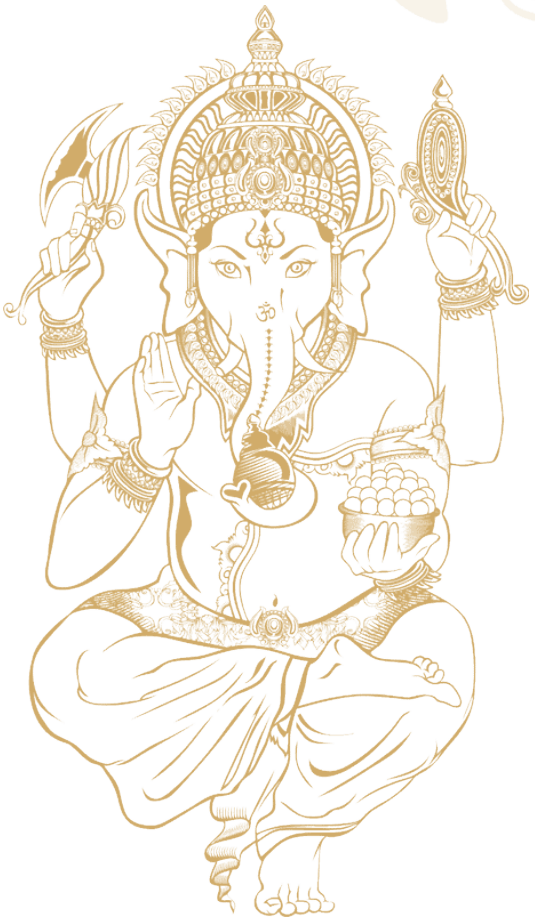

Astosh Reya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121234402

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/11/1996	जन्म तिथि	22/08/2000
बुधवार	दिन	मंगलवार
घंटे 13:20:00	जन्म समय	18:34:00 घंटे
घटी 16:24:55	जन्म समय(घटी)	31:36:23 घटी
India	देश	India
Safidaun	स्थान	Saharanpur
29:25:00 उत्तर	अक्षांश	29:58:00 उत्तर
76:40:00 पूर्व	रेखांश	77:33:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:20	स्थानिक संस्कार	-00:19:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:46:01	सूर्योदय	05:51:16
17:29:11	सूर्यास्त	18:53:24
23:48:48	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:42

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 6वर्ष 3मा 26दि		03:48:53	कुंभ	लग्न	कुंभ	00:40:25	सूर्य 3वर्ष 2मा 28दि	
शुक्र		27:24:14	तुला	सूर्य	सिंह	05:52:03	राहु	
12/03/2010		25:02:24	वृश्चि	चंद्र	वृष	02:47:16	20/11/2020	
12/03/2030		13:46:34	सिंह	मंगल	कर्क	19:57:45	20/11/2038	
शुक्र	11/07/2013	04:03:43	वृश्चि	बुध	सिंह	06:22:35	राहु	03/08/2023
सूर्य	11/07/2014	21:05:21	धनु	गुरु	वृष	15:05:17	गुरु	27/12/2025
चन्द्र	11/03/2016	24:12:52	कन्या	शुक्र	सिंह	25:34:18	शनि	02/11/2028
मंगल	11/05/2017	07:09:19	मीन व	शनि	वृष	06:43:31	बुध	22/05/2031
राहु	11/05/2020	13:21:20	कन्या व	राहु व	कर्क	00:10:59	केतु	09/06/2032
गुरु	10/01/2023	13:21:20	मीन व	केतु व	मक	00:10:59	शुक्र	09/06/2035
शनि	12/03/2026	07:19:29	मक	हर्ष व	मक	24:32:12	सूर्य	03/05/2036
बुध	09/01/2029	01:33:20	मक	नेप व	मक	10:38:59	चन्द्र	02/11/2037
केतु	12/03/2030	08:43:17	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	16:17:28	मंगल	20/11/2038

लग्न-चलित

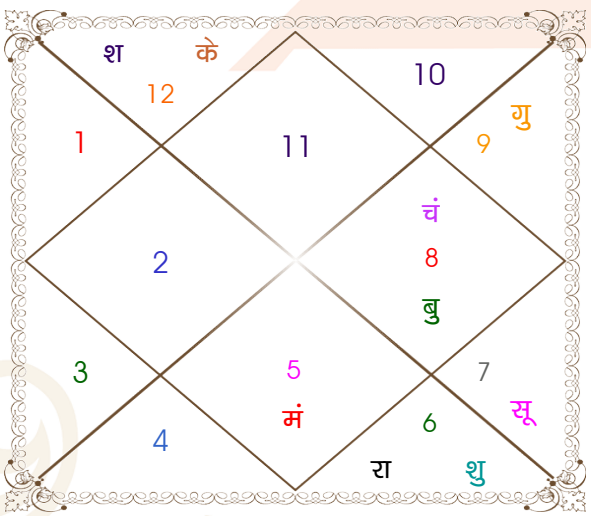

लग्न-चलित

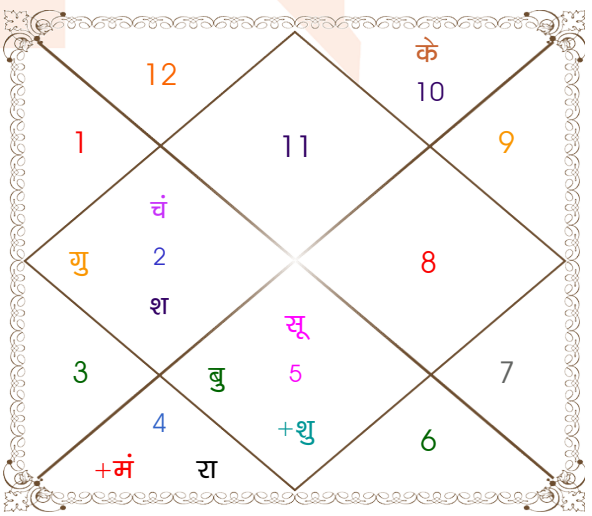

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	30.50		

`ाजवी का वर्ग मृग है तथा Reya का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार `ाजवी और Reya का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

`ाजवी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि `ाजवी कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Reya मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Reya कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ेजवी तथा Reya में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।